an>

Title: Problems being faced by sugarcane farmers due to closure of sugar mills in Uttar Pradesh.

श्री हुकुम सिंह (कैराना) : अध्यक्ष जी, मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण प्रश्न उठाना चाहता हूं जो देश के लाखों किसानों से जुड़ा हुआ है, विशेष रूप से उत्तर प्रदेश और उत्तर प्रदेश में भी पश्चिमी उत्तर प्रदेश। आज सारी चीजों के दाम बढ़े हैं खाद के दाम बढ़े, श्रम के दाम बढ़े, दवाइयों के दाम बढ़े, लेकिन गन्ने का एक पैसे का दाम नहीं बढ़ा।...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव (आज़मगढ़) : क्या चीनी के दाम बढ़े हैं?...(व्यवधान)

श्री हुकुम सिंह : बहुत-से लोगों को तो चीनी की याद आएगी, लेकिन मुझे गन्ने की याद आ रही है। चीनी की याद मिल वालों को आएगी और उद्योगपतियों को आएगी, लेकिन मुझे किसानों की याद आ रही है। आज अपने आपको किसान नेता घोषित करने वाले चीनी के लिए रो रहे हैं, गन्ने के लिए नहीं रो रहे हैं।

माननीय अध्यक्ष जी, सबसे बड़ी बात यह है कि आज मेरे लोक सभा क्षेत्र के तीन मिल बंद हैं। अगर किसी जिले के तीन मिल बंद होंगे तो उन किसानों का क्या होगा? अभी आपके सामने कुछ हस्तक्षेप हुआ।...(व्यवधान) क्या प्रदेश सरकार का यह दायित्व नहीं था कि मिल मालिकों को बुलाकर, उन्हें बिठा कर, अगर उनकी कोई कठिनाई थी तो उसे दूर करते?...(व्यवधान) क्या हमने उद्योगपतियों को यह अधिकार दे दिया कि जब उनकी इच्छा होगी वे मिल चलाएंगे और जब इच्छा नहीं होगी तो वे मिल बंद कर देंगे?

मान्यवर, यह अपराध है। वे तीनों मिल वाले या तो मिल चलाएं या फिर इस अपराध में जेल में जाएं। इसमें कोई और तीसरा रास्ता नहीं है। सरकार उनसे संगठन करके साजिश कर रही है।...(व्यवधान)

मान्यवर, एक मिल का नाम है शाकंभरी, दूसरी मिल का नाम है बिडवी, तीसरी मिल कांकेढेरी में है। ये तीनों मिल आखिर बंद क्यों हैं? ये क्यों नहीं चल रहे हैं?...(व्यवधान)

मान्यवर, यह मैं आपसे बहुत विनम्रता के साथ आग्रह करना चाहता हूं कि सरकार केवल पुलिस बल पर नहीं चलती है, सरकार का काम केवल आदेश देना नहीं है। आज प्रदेश सरकार की जिम्मेदारी थी कि उन मिलों को चलवाए और किसानों को राहत दिलवाएं। यह मेरा बहुत विनम्रता के साथ आपसे आग्रह है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री हुकुम सिंह द्वारा उठाए गए विषय से श्री पी. पी. चौधरी स्वयं को सम्बद्ध करते हैं।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मुलायम सिंह जी, सबने बात कह दी। यह समस्या है। इसे देख लेंगे।

â€¦(व्यवधान)